उन्हें उस वेतनमान में दी गयी अन्तिम वेतन वृद्धि की रकम के बराबर वैयक्तिक वेतन दिया जाये ।

मान्यता देने के सम्बन्ध में स्थिति यह है कि सदन में सरकार के इस विनिश्चत का बार बार स्पष्टीकरण किया जा चुका है कि रेलों में कर्मचारियों के कोटिवार संघों को मान्यता देना सम्भव नहीं होगा, क्योंकि इससे यूनियनों की संख्या बढ़ जाती है और परिणाम स्वरूप परस्पर विरोधी हित उठ खड़े होते हैं और ट्रेड यूनियनें खण्डित हो जातीं हैं ।

Introduction of Electronic Devices on Railways to know position of Passenger Reservation

*587. SHRI D. N. PATODIA : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that in some foreign countries, particularly in Japan, electronic devices have been introduced to have prior knowledge of the position of passenger reservation and make such reservation in the stations ahead for the facility of passengers :

(b) whether Government have prepared any such plan for being introduced in the different Railways in India ; and

(c) if so, the details thereof and, if not, when it is likely to be introduced ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI NANDA) : (a). Information is available only about the Japanese National Railways who employ electronic devices for passenger reservations.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

Utilisation of Design Engineering Teleuts

*588. SHRI GADILINGANA GOWD : Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state ;

(a) whether a study on the utilization of Design Engineers, conducted by the Technical Manpower Department of the C.S.I.R., has been completed and, if so, the results thereof : and

(b) whether it has been found that Engineering Design talent is being wasted and, if so, the steps taken by Government to have the full utility of the Engineering talent in the country ?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F.A. AHMED) : (a) and (b) Information is being collected and will be placed on the Table of the House.

स्टेनलैस स्टील का उत्पादन

*589. **श्री रघुबीर सिंह शास्त्री** : क्या इस्पात तथा भारी इंजिनियरिंग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में स्टेनलैस स्टील की वार्षिक मांग तथा उसका उत्पादन कितना है ;

(ख) स्टेनलैस स्टील की कितनी माँग स्वदेशी साधनों से पूरी की जा रही है तथा कितनी मांग आयात द्वारा पूरी की जा रही है और इसके आयात पर प्रति वर्ष कुल कितनी विदेशी मुद्रा खर्च की जा रही है ; और

(ग) स्टेनलैस स्टील के उत्पादन में भारत के कब तक आत्मनिर्भर हो जाने की सम्भावना है ?

इस्पात तथा भारी इंजिनियरिंग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कृष्ण चन्द्र पन्त) : (क) लोहा और इस्पात कर्णधार समिति ने अनुमान लगाया है कि उष्मा—प्रतिरोधक इस्पात को मिलाकर बेदाग इस्पात की मांग 1969-70 में 9,600 टन और 1973-74 में 21,000 टन होगी । जहाँ तक उत्पादन का प्रश्न है दुर्गापुर स्थित मिश्र इस्पात कारखाना देश में बेदाग इस्पात का एक मात्र उत्पादक है । इस

कारखाने में 1968-69 में 66 टन इस्पात तैयार हुआ था और 1969-70 में 1500 टन के लगभग इस्पात तैयार होने की आशा है। 1970-71 के लिए उनका लक्ष्य 5,350 टन परिरूपित बेदाग इस्पात तैयार करने का है जिसमें 4500 टन चादरों और प्लेटों के रूप में होगा।

(ख) वर्ष 1968-69 1969-70 और 1970-71 में बेदाग इस्पात की देशीय उपलब्धि ऊपर दी गई है इस हद तक माँग की पूर्ति देशीय साधनों से की जाएगी और शेष का आयात करना पड़ेगा। वर्ष 1968-69 में 3 मि० मी० से कम मोटाई की 7000 टन चादरों का आयात किया गया जिनका मूल्य 4.6 करोड़ रुपये था। 1969-70 में 10,000 टन के लगभग ऐसी चादरें आयात करने की सम्भावना है जिनका मूल्य 6·5 करोड़ रुपये होगा।

(ग) आशा है कि बेदाग इस्पात की छड़ों, गोल छड़ों और प्लेटों के मामले में देश 1973-74 से पूर्व ही आत्म-निर्भर हो जाएगा लेकिन बेदाग इस्पात की चादरों मुख्यतः ठंडी बेलित किस्म की चादरों के बारे में 1973-74 में माँग और उपलब्धि में 7600 टन का अन्तर रहेगा। भविष्य में यह अन्तर बढ़ता जाएगा। इस कमी को पूरा करने के लिए वर्तमान क्षमता का विस्तार करने अथवा नई क्षमता स्थापित करने के प्रश्न पर विचार किया जा रहा है।

Introduction of Janta Trains during Fourth Plan

*590. SHRI S.M. BANERJEE : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether more Janta trains are likely to be introduced during the Fourth Plan ;

(b) if so, the number of those trains ; and

(c) the routes on which these will be started ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI NANDA) : (a) to (c). Sir, proposals for introduction of additional trains, including Janta Express trains, are considered on the basis of requirements assessed half yearly when new time table is brought in force in April and October, and not with reference to 5-year plans. At present the only specific proposals are for (a) introduction of a Janta Express train between Bombay VT and Nagpur which will be done as soon as requisite terminal facilities become available and (b) increase in frequency of 41 Dn/42 Up Bombay-Howrah Janta Express to run triweekly between Bombay and Howrah and on all the 7 days in a week between Bombay VT and Allahabad from 1-4-70. Consistent with the pattern of traffic on various routes, introduction of more such services for the benefit of III Class passengers will be duly considered having regard to availability of requisite resources by way of line/terminal capacity and rolling stock.

रेलवे स्टेशनों पर पत्रिकाओं की दुकानों के लिए मैसर्स ए० एच० व्हीलर एण्ड कम्पनी को ठेका दिया जाना

*591. **श्री जनेश्वर मिश्र** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार ने विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर पत्रिकाओं की दुकान लगाने के लिए मैसर्स ए० एच० व्हीलर एण्ड कम्पनी को कितने वर्षों के लिए अनुमति दी है ;

(ख) यह अनुमति किस आधार पर दी गई है ;

(ग) क्या यह सच है कि रेलवे द्वारा उक्त कम्पनी को जारी किए गए "पासों" का मूल्य उससे प्राप्त होने वाले स्वामित्व (रायल्टी) की राशि से कहीं अधिक है ; और

(घ) क्या सरकार उक्त कम्पनी के एकाधिकार को समाप्त करने के बारे में विचार कर रही है ?